सांध्य दैनिक 4PM

महानता कभी न गिरने में नहीं है बल्कि हर बार गिर कर उठ जाने में है।
-कन्फ्यूशियस

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 8 • अंकः 153 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, शनिवार, 9 जुलाई, 2022

दस हजार किसानों के खेतों में जल्द... 2
लोक सभा की चौसर पर भाजपा... 3
चित्रकूट: पिकअप ने आठ बारातियों को... 7

मुलायम सिंह यादव की पत्नी साधना गुप्ता का निधन, शोक की लहर

» गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में ली आखिरी सांस, फेफड़ों के संक्रमण से थीं पीड़ित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव की पत्नी साधना गुप्ता का आज निधन हो गया। उनको फेफड़ों में संक्रमण के कारण गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। साधना गुप्ता के निधन की सूचना पर सपा संरक्षक मेदांता अस्पताल पहुंचे। मुलायम सिंह यादव के आवास पर साधना गुप्ता के पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। उनके निधन से परिवार, शुभचिंतकों और कार्यकर्ताओं में शोक की लहर है।

मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता को कुछ दिन पहले ही बुखार के बाद फेफड़ों में संक्रमण बढ़ गया था। इनके बाद उनको गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। साधना गुप्ता भाजपा नेता अपर्णा यादव की सास तथा प्रतीक यादव की मां थीं। साधना गुप्ता भी समाजवादी पार्टी की राजनीति में पहले काफी सक्रिय थीं। मुलायम सिंह यादव से विवाह होने के बाद औरैया के विधनू की निवासी साधना गुप्ता ने सक्रिय राजनीति छोड़ दी थी। उनके भाई प्रमोद कुमार गुप्ता ने भी विधान सभा चुनाव से पहले भाजपा की सदस्यता ली थी। गौरतलब है कि मुलायम सिंह यादव ने अपनी पहली पत्नी व सपा प्रमुख अखिलेश यादव की मां मालती देवी की मृत्यु के बाद 23 मई 2003 को साधना गुप्ता को अपनी पत्नी का दर्जा दिया था। साधना गुप्ता के बेटे प्रतीक यादव रियल स्टेट बिजनेसमैन हैं। प्रतीक यादव राजनीति में सक्रिय नहीं हैं। हालांकि उनकी पत्नी अपर्णा यादव ने राजनीति में कदम रखा। अपर्णा यादव लखनऊ की कैंट सीट से साल 2017 में विधान सभा का चुनाव लड़ चुकी हैं। अखिलेश यादव, मुलायम सिंह यादव की पहली पत्नी के बेटे हैं।

"भाजपा नेता अपर्णा यादव की सास और प्रतीक यादव की थीं मां"

सपा संरक्षक के आवास पर अंतिम दर्शन को रखा जाएगा पार्थिव शरीर

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने जताया शोक

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा संरक्षक की पत्नी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की पत्नी श्रीमती साधना गुप्ता के निधन का दुखद समाचार मिला। प्रभु पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में जगह दे। मुलायम सिंह और परिजनों को ये दुख सहन करने की क्षमता दे।

एनबीसीसी के पूर्व सीजीएम के घर सीबीआई और आईटी का छापा, हड़कंप

» मिला भारी मात्रा में कैश, मशीनों से की जा रही गिनती

» पूर्व सीजीएम डीके मित्तल पर चल रहा भ्रष्टाचार का केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। सीबीआई और इनकम टैक्स के अफसरों ने नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन (एनबीसीसी) के पूर्व सीजीएम डीके मित्तल के नोएडा स्थित आवास पर छापेमारी की। छापेमारी में भारी संख्या में कैश और ज्वेलरी बरामद हुई है। जांच एजेंसियों की कार्रवाई से हड़कंप मच गया है।

एनबीसीसी के पूर्व सीजीएम डीके मित्तल पर भ्रष्टाचार का मामला है, जिसकी जांच सीबीआई कर रही है।

इसी मामले में सीबीआई टीम देर रात से ही मित्तल के घर पर डेरा डाले हुए है। इस बीच कैश मिलने पर इनकम टैक्स विभाग को इसकी जानकारी दी गई। इनकम टैक्स टीम डीके मित्तल के घर पहुंची। अधिकारियों ने बताया कि रात में दो मशीनें मंगवाई गई थीं। अब एक और मशीन मंगवाई गई है। कैश की गिनती की जा रही है। सुबह से अब तक एक करोड़ रुपये से ज्यादा का कैश मिल चुका है। साथ ही एक करोड़ की ज्वेलरी भी मिली है।

एनडीए की राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को मिला शिवपाल का साथ, सियासी पारा गर्म

» प्रसपा प्रमुख और सपा विधायक शिवपाल यादव ने पीएम मोदी की तारीफ की, अखिलेश पर साधा निशाना

» अब सहयोगी दल सुभासपा मुखिया राजभर के रुख पर सपा खेमे की नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रसपा प्रमुख और सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव ने पार्टी लाइन से हटकर एनडीए की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को समर्थन देने का ऐलान कर प्रदेश का सियासी पारा गर्म कर दिया है। प्रसपा प्रमुख ने यह ऐलान शुक्रवार को द्रौपदी मुर्मू के सम्मान में सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा आयोजित रात्रिभोज में शिरकत करने के बाद किया है। उन्होंने कहा कि मैं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को अपना वोट दूंगा। साथ ही उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा।

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के प्रमुख और इटावा की जसवंत नगर सीट से सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि सपा मुझे नजरअंदाज कर रही है। मुझे किसी बैठक में बुलाया नहीं जाता है लेकिन जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से मुझे बुलावा आया तो मैं रात्रिभोज में गया था। मैंने बहुत पहले कहा था, जहां हमें बुलाया जाएगा, जो हमसे वोट मांगेगा, हम उसे वोट देंगे। इससे पहले हमने रामनाथ कोविंद का समर्थन किया था। उन्होंने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए द्रौपदी मुर्मू को प्रत्याशी बनाया है। साथ ही उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव में राजनीतिक परिपक्वता की कमी है। इसके कारण सपा कमजोर होती जा रही है। कई नेता पार्टी छोड़ रहे हैं।

सुभासपा भी दे सकती है सपा को झटका

सपा गठबंधन के सहयोगी सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर भी सीएम योगी के रात्रिभोज में शामिल हुए थे। राजभर सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर लगातार हमले कर रहे हैं, इससे माना जा रहा है कि सुभासपा भी एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू का समर्थन कर सपा को झटका दे सकती है। गौरतलब है कि राजभर को विपक्ष के राष्ट्रपति उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के समर्थन में हुई सपा की बैठक में नहीं बुलाया गया था।

जनसत्ता दल ने भी किया समर्थन

जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने कहा कि द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया जाना अहम बात है। इसके लिए पीएम मोदी को धन्यवाद करता हूं। इसी वजह से भाजपा के साथी दल और जो दल साथ नहीं हैं, वह भी समर्थन कर रहे हैं। जनसत्ता दल द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करेगी।

राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू ने लखनऊ में मांगे वोट

» सभी दलों से मांगा समर्थन, राजभर व शिवपाल भी मिले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी और झारखंड की पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू ने देश के सर्वोच्च पद के लिए होने वाले चुनाव के संदर्भ में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सभी दलों से अपने लिए समर्थन मांगा। लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मुर्मू को समर्थन देने के लिए यूपी में भी दलीय सीमाएं टूटती नजर आ रही हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुर्मू को सर्वाधिक वोट भी यूपी से मिलेंगे। लोक भवन के सभागार में भाजपा और उसके सहयोगी दलों के सांसदों, विधायकों और संगठन पदाधिकारियों के बीच भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े ने मुर्मू का जीवन परिचय दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद के लिए जनजातीय समाज की एक मातृशक्ति के रूप में सर्वसम्मत चेहरा दिया है। इस निर्णय को न केवल एनडीए के घटक दलों ने सकारात्मक भाव से स्वीकार किया है, बल्कि दलीय सीमाएं टूटती दिख रही हैं। उड़ीसा के जनजातीय समाज में पैदा हुई, अभावों में पली-बढ़ी एक बेटी कैसे जीवन की विषम परिस्थितियों से जूझती हुई भाजपा के सेवा अभियान से जुड़कर आज इस मुकाम तक पहुंची है, यह प्रेरणास्पद है। सीएम योगी ने कहा कि उनके नामांकन पर कहीं से नकारात्मक स्वर नहीं आए। राजनीति करने वाले तो राजनीति करेंगे ही। उड़ीसा में बीजद ने उन्हें समर्थन दिया। झारखंड में समर्थन मिल रहा है। आंध्र प्रदेश पंजाब में दलीय सीमा टूटी तो उप्र में भी जरूर टूटेगी। राष्ट्रपति चुनाव में उत्तर प्रदेश के विधायकों के वोट का प्रभार सर्वाधिक है। मुर्मू को सर्वाधिक वोट भी उत्तर प्रदेश से मिलेंगे। जनजातीय समाज की बेटी का देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद के लिए निर्वाचन पूरी दुनिया को भारत के सशक्त लोकतंत्र का अहसास कराएगा।

मुर्मू बोलीं, समाज के अंतिम पायदान पर खड़ी बेटी का साथ दें

उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत का चित्रण करते हुए मुर्मू ने कहा कि जनजातीय समाज में जन्म लेने वाली एक महिला आज आपके सामने समर्थन मांगने आई है। मैंने अभाव के बावजूद अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर उच्च शिक्षा प्राप्त की। कमजोर, वंचित तबके और जनजातीय समाज के लिए आजीवन कार्य किया। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी का समर्थन मुझे मिलेगा। फिर भी यदि मुझे लेकर किसी के मन मे दुविधा है तो मैं कहना चाहूंगी की समाज के सबसे अंतिम पायदान पर खड़ी इस बेटी के साथ आपका हाथ होता तो बहुत अच्छा होता। यह उत्तर प्रदेश की उत्कृष्ट परंपरा को दर्शाएगा।

17 जुलाई को मतदान के लिए प्रशिक्षण

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भाजपा और उसके सहयोगी दलों के विधायकों को राष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया और मतदान के तरीके के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि 18 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति के चुनाव के लिए भाजपा और सहयोगी दलों के सभी सांसद 16 जुलाई को दिल्ली और समस्त विधायक लखनऊ जरूर पहुंच जाएं। 17 जुलाई को उन्हें मतदान के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने आभार जताया। इससे पहले मुर्मू ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

योगी के रात्रिभोज में पहुंचे शिवपाल व ओपी राजभर, टेंशन में सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के सम्मान में मुख्यमंत्री आवास पर कल रात आयोजित भोज में समाजवादी कुनबा बिखर गया। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के चाचा सपा विधायक शिवपाल यादव और गठबंधन के सहयोगी सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने भोज में शामिल होकर भविष्य में गठबंधन की नई राजनीति के संकेत दे दिए। इस बात से सपा में टेंशन बढ़ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने द्रौपदी मुर्मू के सम्मान में अपने सरकारी आवास पर भोज रखा था।

इसमें उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, अपना दल के आशीष पटेल, निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद और जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया की मौजूदगी पहले से अपेक्षित थी। मगर, शिवपाल यादव, ओमप्रकाश राजभर और बसपा के उमाशंकर सिंह ने भोज में पहुंचकर सभी को चौंका दिया। दरअसल राष्ट्रपति पद के विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के समर्थ में हुई सपा की बैठक में शिवपाल व राजभर को नहीं बुलाया गया था। बीते कुछ दिनों से राजभर की बयानबाजी से अखिलेश नाराज थे। उन्हें न बुलाकर सपा ने गठबंधन तोड़ने के संकेत दे दिए थे। इस बीच भाजपा ने भी शिवपाल व राजभर से संपर्क शुरू कर दिया था। राजभर के तेवर सुबह ही दिख गए थे जब उन्होंने कहा कि अखिलेश पहले अपने चाचा का वोट यशवंत सिन्हा को दिलाकर दिखाएं। अखिलेश को केवल मुस्लिम व यादव ही दिखते हैं। इस बयान से ही संकेत मिल गया था कि सपा व सुभासपा साथ नहीं चलेंगे। सीएम योगी ने 18 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष की गोलबंदी में बड़ी सेंध लगाने में सफलता हासिल की है। उनके प्रयास से दलीय सीमाएं टूट गईं है।

दस हजार किसानों के खेतों में जल्द लगेंगे सोलर सिंचाई पंप : शाही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार तेजी से प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान यानी पीएम कुसुम योजना के तहत 10 हजार किसानों का चयन किया गया है।

उन्होंने कहा, चयनित किसानों के कृषक अंश की धनराशि बैंक में जमा कराए जाने के बाद उनके खेतों में सोलर सिंचाई पंप लगाए जाएंगे। पांच साल में 26407 सोलर सिंचाई पंप लगाए जा चुके हैं। मंत्री शाही ने कहा कि कृषि विभाग ने 100 दिन

के शत-प्रतिशत कार्य पूरे किए हैं। मिशन प्राकृतिक खेती के तहत बुंदेलखंड के 47 विकासखंडों के हर ब्लॉक में 50 हेक्टेयर के 10 क्लस्टर कार्ययोजना तैयार की गई है। मंत्री ने कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद यानी आईसीएआर ने प्रदेश के लिए 32 कृषि ड्रोन स्वीकृत किए हैं। सूबे में बंजर भूमि व जलभराव क्षेत्र सुधार के लिए 602.68 करोड़ की योजना स्वीकृत की गई है।

नुपूर शर्मा का समर्थन करने वालों की मदद करेगा विहिप

» विश्व हिंदू परिषद ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी की पूर्व प्रवक्ता नुपूर शर्मा का समर्थन कर रहे किसी हिंदू को यदि धमकियां मिल रही हों अथवा लव जिहाद से संबंधित कोई समस्या हो तो विश्व हिंदू परिषद आपकी मदद करेगा। विश्व हिंदू परिषद अवध प्रांत संगठन द्वारा ऐसे लोगों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है।

साथ ही अवध प्रांत से संबंधित 25 जिलों में जिला स्तरीय और ब्लॉक स्तर पर टोलियां बना रहे हैं, जो पीड़ित व्यक्ति के पास पहुंचकर उसकी मदद करेंगी। विश्व

हिंदू परिषद अवध प्रांत संगठन ने अवध प्रांत का रहने वाले व्यक्तियों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। मदद के लिए लोग 9473795999 और 9919888770 पर फोन कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इन नंबरों पर 24 घंटे शिकायत दर्ज होगी। यह जानकारी बजरंगदल के अवध प्रांत सहसंयोजक अधिवक्ता महेश तिवारी ने दी। उन्होंने बताया कि राजस्थान और महाराष्ट्र की घटना के बाद संगठन ने हेल्पलाइन नंबर का निर्णय लिया। क्योंकि नूपुर शर्मा के समर्थकों को धमकियां मिल रही हैं। साथ ही लव जिहाद से संबंधित पीड़ितों को भी धमकियां मिलने की जानकारी हुई है। धमकी देने वालों के कारण पीड़ित डर जाता है। पीड़ित व्यक्ति को हेल्पलाइन नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज करानी होगी। इसके बाद संगठन के लोग पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों से मिलकर संबंधित व्यक्ति की मदद कराएंगे। अगर पीड़ित व्यक्ति को कानून मदद अथवा सलाह की जरूरत होगी तो वह भी निशुल्क दी जाएगी।

सपा विधायक हसन को नहीं मिली राहत, रहना होगा जेल में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने धमकी देने, उकसाने और विश्वासघात के मामले में कैराना के सपा विधायक नाहिद हसन को राहत देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने विधायक की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि जमानत मिलने पर वह मुकदमे से जुड़े तथ्यों, रिकॉर्डों और गवाहों को धमका सकता है। इस वजह से उसकी जमानत अर्जी स्वीकार किए जाने के योग्य नहीं है।

यह आदेश न्यायमूर्ति समित गोपाल ने नाहिद हसन की याचिका की जमानत अर्जी को खारिज करते हुए दिया है। मामले में सपा विधायक और सह अभियुक्त नवाब के खिलाफ शाहजहां ने 26 सितंबर 2019 को कैराना थाने पर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि नवाब ने उसकी बोलेरो संविदा के आधार पर ली थी। उसने जब महीने में तय की गई राशि का भुगतान नहीं किया तो पूछने पर उसने पूरी रकम एकसाथ देने की बात कह कर वापस कर दिया। बाद में वह डेढ़ लाख रुपये दे रहा था, जिसे लेने से उसने इनकार कर दिया। पता चला कि उसकी बोलेरो गाड़ी सपा विधायक के यहां है। वह देखने गई तो विधायक ने उसे फोन पर मारने की धमकी दी और वापस चले जाने को कहा।

लोक सभा की चौसर पर भाजपा, मिशन 80 पर फोकस

अल्पसंख्यक समाज पर भी बीजेपी की नजर

» अब पार्टी पूरी तरह से चुनावी मोड में

» मिशन 24 के लिए बूथों को चार श्रेणी में बांटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोक सभा चुनाव दूर है मगर सियासी चौसर पर बीजेपी की तैयारियां अभी से जारी है। बीजेपी का सारा फोकस प्रदेश की सभी सीटों पर है कि किस तरह मिशन 80 के टारगेट को सफल बनाया जाए। इसी क्रम में भाजपा ने मिशन-2024 को लेकर पार्टी कार्यालय लखनऊ में बड़ी बैठक की। 93 जिला अध्यक्षों और प्रभारियों को टारगेट-80 के बारे में बताया गया। बूथों को चार श्रेणी में बांटकर हर वर्ग से जुड़ने का प्लान तय हुआ। ए, बी, सी, डी श्रेणी में बूथों का बांटा गया है। सी श्रेणी में 25 हजार ऐसे बूथों को रखा गया है, जहां भाजपा लंबे समय से नहीं जीती।

सीएम योगी ने कहा कि लोग कहते थे कि अल्पसंख्यक समाज का वोट नहीं मिलता लेकिन कार्यकर्ताओं के परिश्रम और सकारात्मक सोच से वहां जीत मिली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति चुनाव को लेकर भी बात की। सीएम ने कहा कि अटल जी की सरकार में एपीजे अब्दुल कलाम को राष्ट्रपति बनाया गया। मोदी सरकार में रामनाथ कोविंद राष्ट्रपति बने। अब एक बार फिर एनडीए ने द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया है। सीएम योगी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह सहित सभी 75 जिलों से पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष और जिला प्रभारी बैठक में मौजूद रहे। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी पहले रोडमैप पर मंथन हुआ। भाजपा नेताओं का कहना है कि मोदी और योगी सरकार का मॉडल गरीबों और दलितों के लिए बिना किसी पूर्वाग्रह व भ्रष्टाचार के काम कर रहा है। हम इन लोगों की पहचान कर रहे हैं और सरकार की ओर से किए गए कार्यों को उजागर कर रहे हैं।

यादव वोट बैंक में भी सेंध लगाने की तैयारी

विधान सभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से दोबार सत्ता में लौटी भाजपा की नजर अब लोक सभा चुनाव पर टिक गयी है। सपा का गढ़ मानी जाने वाली आजमगढ़ लोक सभा सीट पर उपचुनाव में मिली जीत से भाजपा न केवल उत्साहित है बल्कि निरहुआ मॉडल के जरिए पार्टी नेता सपा के यादव वोट बैंक में सेंध लगाने की तैयारी में जुट गए हैं। भाजपा उम्मीदवार दिनेश लाल यादव निरहुआ आजमगढ़ में यादव मतदाताओं को लुभाने में काफी हद तक सफल रहे हैं। ऐसे में यूपी में भाजपा बड़ी संख्या में यादव मतदाताओं को आकर्षित करने और पार्टी से जोड़ने की योजना पर काम शुरू कर चुकी है। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि सपा की राजनीति से यूपी में यादव समाज खफा है। सपा अल्पसंख्यक वोटों पर विशेष जोर दे रही है और यह इस समुदाय को पसंद नहीं आ रहा है। ऐसे में इनके बीच भाजपा की मौजूदगी दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। उपचुनाव में जीत के बाद सीएम योगी ने भी ऐलान किया था कि भाजपा अब 2024 के लोक सभा चुनाव में यूपी की सभी लोक सभा सीटें जीतेगी। इसी लक्ष्य को लेकर भाजपा यादव समुदाय को भी रिझाने में जुट गयी है। भाजपा ने उन 14 लोक सभा सीटों पर काम करने के लिए केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, अश्विनी वैष्णव, जितेंद्र सिंह और अन्नपूर्णा देवी को मिलाकर एक टीम बनाई है, जिन्हें 2019 में नहीं जीत सकी। अन्नपूर्णा देवी यादव समुदाय से हैं और उनसे यादवों के गढ़ों पर नजर रखने के लिए कहा गया है।

हैदराबाद में चुनाव की रणनीति हुई तय

इससे पहले दो-तीन जुलाई को तेलंगाना के हैदराबाद में हुई पार्टी की राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक में लोक सभा चुनाव को लेकर रणनीति तय की गई है। प्रदेश भाजपा राष्ट्रीय नेतृत्व से मिले कार्यक्रमों के आधार पर यूपी के पदाधिकारियों को टारगेट देगी। आजमगढ़ और रामपुर में हुए लोक सभा उपचुनाव में जीत से बेहद उत्साहित भाजपा ने आगामी लोक सभा चुनाव के लिए मिशन-80 का टारगेट सेट किया है। इसके बाद से ही पार्टी यूपी पर फोकस करके अगले बड़े समर की तैयारियों में जुट गई है। सीएम योगी पहले ही इस मिशन की घोषणा कर चुके हैं। अब पार्टी पूरी तरह से चुनावी मोड में है।

समाज के हर वर्ग को जोड़ेगी भाजपा

लोक सभा चुनाव में वोट परसेंट 50 से अधिक करने की योजना के तहत विभिन्न वर्गों को पार्टी से जोड़ने, केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से लगातार संपर्क बनाने की रणनीति है। इसके साथ ही अलग-अलग धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रमों के जरिए जनता के बीच पहुंचकर सरकार और संगठन की बात को लोगों तक पहुंचाया जाएगा। इसमें पार्टी ने युवा मोर्चा, महिला मोर्चा, एससी-एसटी मोर्चा, किसान मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा और ओबीसी मोर्चा की ओर से होने वाले कार्यक्रम भी तय किए जाएंगे। लोक सभा चुनाव के साथ ही पार्टी इन कार्यक्रमों के जरिए नगरीय निकाय चुनावों के लिए शहरी क्षेत्र में भी माहौल बनाएगी।

तो सपा गठबंधन से किनारा करने की तैयारी कर रही सुभासपा!

विपक्ष के राष्ट्रपति उम्मीदवार यशवंत सिन्हा की बैठक में न बुलाए जाने पर भड़के राजभर

विधान सभा चुनाव परिणाम के बाद से सुभासपा प्रमुख लगातार अखिलेश पर हैं हमलावर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी का गठबंधन टूट की कगार पर है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुखिया ओम प्रकाश राजभर भी सपा प्रमुख अखिलेश यादव से पर लगातार हमलावर हैं। इसके पहले महान दल के केशव देव मौर्य सपा गठबंधन से अलग हो चुके हैं जबकि प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के प्रमुख शिवपाल यादव भी चुनाव के बाद से ही अखिलेश से दूरी बनाए हुए हैं। राजभर के तेवर को देखते हुए सियासी गलियारों में सुभासपा के गठबंधन से किनारा करने के कयास तेज हो गए हैं।

विपक्ष के राष्ट्रपति उम्मीदवार यशवंत सिन्हा गुरुवार को लखनऊ पहुंचे थे। यहां समाजवादी पार्टी और रालोद के विधायकों ने उन्हें अपना समर्थन दिया। वहीं इस कार्यक्रम में सपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाले ओम प्रकाश राजभर और उनकी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के विधायकों को नहीं बुलाया गया। इस पर ओम प्रकाश राजभर ने कहा, मुझे बुलाया नहीं गया था। सपा अध्यक्ष को जयंत चौधरी की जरूरत है। अब मेरी जरूरत नहीं है। ये पहली बार नहीं था, जब ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव पर निशाना साधा। चुनाव के नतीजे आने के बाद से ही वह सपा प्रमुख पर लगातार हमलावर होते रहे हैं। विधान परिषद (एमएलसी) चुनाव के दौरान भी राजभर ने अखिलेश यादव पर तंज कसा था। बताया जा रहा है कि ओम प्रकाश राजभर चाहते थे कि विधान परिषद की चार सीटों में कम से कम एक सीट उन्हें मिले, जिससे उनका बेटा सदन में पहुंच सके लेकिन अखिलेश यादव ने इंकार कर दिया। इससे नाराज राजभर ने तंज कसते हुए कहा था कि 34 सीट पर चुनाव लड़कर आठ जीतने वाले को राज्य सभा का इनाम मिला और 14 सीट लेकर छह जीतने वाले की अनदेखी हुई। ताजा घटनाक्रम पर सियासी जानकारों का कहना है कि चुनाव के बाद ओम प्रकाश राजभर ने बयान दिया था वह जानते थे कि सपा गठबंधन चुनाव हार रहा है। इस बयान के बाद से अखिलेश ने उनसे दूरी बनानी शुरू कर दी। विधान परिषद और फिर राज्य सभा चुनाव में भी उन्हें नहीं पूछा गया। अब राष्ट्रपति चुनाव के दौरान भी ओम प्रकाश राजभर को किनारे कर दिया गया। इससे साफ है कि समाजवादी पार्टी भी अब ओपी राजभर के साथ अपना गठबंधन आगे जारी नहीं रखना चाहती है।

आजमगढ़ और रामपुर में हार के लिए ठहराया था जिम्मेदार

आजमगढ़ और रामपुर लोक सभा उपचुनाव हारने के बाद भी राजभर ने अखिलेश पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था अगर अखिलेश आजमगढ़ गए होते तो चुनाव जीत जाते। हम लोग धूप में प्रचार कर रहे थे और वे एसी में बैठे रहे। इस पर अखिलेश ने कहा था कि सपा को किसी की सलाह की जरूरत नहीं है। कई बार राजनीति पर्दे के पीछे से चलती है।

पहले भी टूट चुके हैं गठबंधन

विधान सभा चुनाव के ठीक बाद समाजवादी पार्टी गठबंधन में दरार का यह पहला मामला नहीं है। इसके पहले 2017 और फिर 2019 में भी देखने को मिल चुका है। 2017 में सपा और कांग्रेस का गठबंधन हुआ था। चुनाव में मिली बुरी हार के बाद दोनों पार्टियों ने अपना अलग-अलग रास्ता पकड़ लिया। 2019 में भी यही हुआ जब समाजवादी पार्टी ने अपनी कट्टर विरोधी बसपा का हाथ पकड़ा। यहां भी हार के बाद दोनों पार्टियों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाने लगे और नतीजा आने के कुछ दिन बाद ही मायावती ने गठबंधन तोड़ने का ऐलान कर दिया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

चीन की चालबाजी और भारत

> सवाल यह है कि सीमा पर बरकरार तनाव के बीच चीन इस प्रकार की उकसाने वाली कार्रवाई क्यों कर रहा है? क्या संवाद की आड़ में वह अंदरखाने भारत से युद्ध की तैयारी कर रहा है? क्या संवाद का ढोंग कर वह दुनिया की नजरों में धूल झोंकने की कोशिश कर रहा है? क्या चीन एलएसी विवाद का हल नहीं निकालना चाहता है?

एक ओर चीन भारत से संबंधों को सुधारने के दावे कर रहा है तो दूसरी ओर वह एलएसी पर भारत को उकसाने की कार्रवाई से बाज नहीं आ रहा है। चीन ने सीमा में बरकरार तनाव के बीच भारतीय हवाई सीमा का उल्लंघन किया है। चीनी वायुसेना के एक विमान ने पूर्वी लद्दाख में तैनात भारतीय जवानों के बेहद करीब से उड़ान भरी। भारतीय वायुसेना ने इसको लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। यह घटना ऐसे समय में हुई जब चीनी सेना पूर्वी लद्दाख से जुड़ी सीमा पर सैन्य अभ्यास में जुटी है और इसमें तमाम फाइटर जेट और एस-400 जैसे एयर डिफेंस सिस्टम का इस्तेमाल किया जा रहा है। सवाल यह है कि सीमा पर बरकरार तनाव के बीच चीन इस प्रकार की उकसाने वाली कार्रवाई क्यों कर रहा है? क्या संवाद की आड़ में वह अंदरखाने भारत से युद्ध की तैयारी कर रहा है? क्या संवाद का ढोंग कर वह दुनिया की नजरों में धूल झोंकने की कोशिश कर रहा है? क्या चीन एलएसी विवाद का हल नहीं निकालना चाहता है? क्या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के बढ़ते कद और क्वाड के गठन के कारण चीन परेशान है? क्या भारत को चीन से और सतर्क रहने की जरूर है?

पिछले दो वर्षों से चीन और भारत के बीच तनाव चरम पर है। गलवान घाटी में दोनों देशों की सेनाओं के बीच हुई खूनी झड़प के बाद एलएसी पर तनाव बढ़ गया है। दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने खड़ी हैं। ऐसे में चीनी एयरक्राफ्ट का भारतीय वायु सीमा का उल्लंघन बेहद की उकसाने वाली घटना है। हालांकि वायुसेना की आपत्ति के बाद दूसरी बार ऐसी हरकत अभी चीनी सैनिकों ने नहीं की है लेकिन ऐसी कोई घटना तनाव को जंग में बदल सकती है। यह सब तब हुआ जब दोनों देशों के विदेश मंत्री आपसी संवाद कर रहे हैं और चीन के विदेश मंत्री वांग ली ने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से कहा कि दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार की दिशा में प्रगति हो रही है। सच यह है कि चीन सीमा विवाद के मामले को निपटाना नहीं चाहता है ताकि सेना की तैनाती के कारण भारत पर आर्थिक बोझ बरकरार रहे। विस्तारवादी चीन की नजर न केवल लद्दाख बल्कि भारत के अरुणाचल पर भी लगी हुई। वह केवल दुनिया को झांसा देने के लिए संवाद का ढोंग कर रहा है अन्यथा दो दर्जन से अधिक सैन्य बैठकों के बाद भी सीमा से सेना क्यों नहीं लौटी? इसके अलावा वह क्वाड से भी परेशान है। जाहिर है चीन की चाल से न केवल भारत को सतर्क रहने बल्कि सैन्य शक्ति को लगातार मजबूत करने की जरूरत है। साथ ही उसे क्वाड के जरिए चीन पर लगातार कूटनीतिक दबाव भी बनाए रखना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

स्वस्थ-विवेकशील समाज बनाने की हो पहल

विश्वनाथ सचदेव

'हल्ला बोल', 'दंगल', 'ताल ठोक के', 'महाभारत', 'आर-पार....' ये वे कुछ नाम हैं न्यूज चैनलों के डिबेट-कार्यक्रमों के, जो रोज यह दावा करते हैं कि वे इनके माध्यम से अपने दर्शकों का ज्ञान-वर्धन करते हैं। ऐसे ही एक 'ज्ञानवर्धक' कार्यक्रम में कुछ दिन पहले भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा ने पैगम्बर मोहम्मद के बारे में कुछ ऐसा कह दिया कि देश में जैसे आग-सी लग गयी है। राजस्थान के उदयपुर और महाराष्ट्र के अमरावती में दो व्यक्तियों की नृशंस हत्या कर दी गयी। संबंधित राजनीतिक दल ने अपनी प्रवक्ता को 'हाशिये पर का तत्व' बताकर उसे पार्टी से निलंबित कर दिया। वैसे प्रवक्ता ने क्षमा मांग ली है, पर 'आहत' हुए लोगों का गुस्सा शांत नहीं हो रहा। प्रवक्ता का यह भी कहना है कि डिबेट में कही गयी बातों से वह उत्तेजित हो गयी थी, इसलिए उनके मुंह से कुछ आपत्तिजनक शब्द निकल गये।

धार्मिक भावनाओं का मामला बहुत संवेदनशील है इसलिए इस संदर्भ में कुछ भी बोलने से पहले सौ बार तोलने की बात कही जाती है। बहरहाल सारा मामला अब न्यायालय में है और सभी पक्ष यह अपेक्षा कर रहे हैं कि कोई हल शीघ्र निकले। इस मामले में जो कुछ हुआ है, उसे किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। न प्रवक्ता के बयान का कोई बचाव किया जा सकता है, और न ही इस मुद्दे को लेकर फैल रही हिंसा का कोई औचित्य बताया जा सकता है लेकिन विवेक का तकाज़ा है कि देश का हर नागरिक इस संदर्भ में अपनी भावनाओं पर काबू रखे और अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक हो। कर्तव्य यह है कि धार्मिक उन्माद का वातावरण शांत हो। धर्म के सारे रास्ते एक ही ईश्वर तक पहुंचाने वाले हैं। यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि ईश्वर-अल्लाह एक हैं, इसीलिए गांधी ने 'सबको सनमति' देने की बात कही थी। पर सब कुछ जानते हुए भी हम समझना नहीं चाहते इसीलिए टीवी की बहस तक में भड़क जाते हैं, मेरा धर्म और तेरा धर्म की बात करने लगते हैं, जबकि सब धर्म एक आदर्श जीवन जीने की राह बताने का ही काम करते हैं। जीवन के इस आदर्श में नफरत के लिए कोई जगह नहीं है-नहीं होनी चाहिए। किसी की भावनाओं को आहत करने का अधिकार न किसी को है और न होना चाहिए।

समाज में भाईचारा बना रहे इसके लिए जो प्रयास अपेक्षित हैं, उन्हीं का हिस्सा है हमारा संविधान जो हमने स्वयं अपने लिए बनाया है। यह संविधान देश के हर नागरिक को, चाहे वह किसी भी धर्म को मानने वाला हो, समानता का अधिकार देता है। धर्म के नाम पर किसी को भी कोई विशेषाधिकार नहीं है हमारी व्यवस्था में। न ही हमारा संविधान धर्म के नाम पर किसी भी प्रकार के भेदभाव की अनुमति देता है। आसेतु हिमालय यह भारत सबका है- उन सबका जो इस देश के नागरिक हैं। और नागरिक होने की पहली और सबसे महत्वपूर्ण शर्त है, संविधान का पालन। हमारा धर्म, हमारी जाति, हमारा वर्ग, हमारा वर्ण, सब सांविधानिक मर्यादाओं से बंधे हुए हैं। समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के आधारों पर खड़ा हमारा संविधान सर्वोपरि है। उसकी अवहेलना, उसका अपमान दोनों अपराध हैं। सर्वोच्च न्यायालय के प्रमुख न्यायाधीश ने हाल ही में अमेरिका में रह रहे भारतवंशियों को संबोधित करते हुए देश के संविधान के प्रति प्रतिबद्धता की बात कही है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि हमारी अदालतों की जवाबदेही भी संविधान के प्रति ही है। सच बात तो यह है कि सवाल सिर्फ न्यायपालिका की जवाबदेही का नहीं है। कानून बनाने वाली हमारी संसद की जवाबदेही भी हमारे संविधान के प्रति ही है और कार्यपालिका भी इसी जवाबदेही से बंधी हुई है। देश के एक सामान्य नागरिक से लेकर देश के 'प्रथम नागरिक', राष्ट्रपति, तक का यह दायित्व बनता है कि वह संविधान की मर्यादाओं में काम करे। पर एक जवाबदेही और भी है, जो संविधान के

प्रति जवाबदेही से कम महत्वपूर्ण नहीं है- यह जवाबदेही समाज के प्रति होती है। जिस समाज में हम रहते हैं, जो समाज हमने स्वयं अपना जीवन जीने के लिए बनाया है, उसके प्रति भी हमारी एक जवाबदेही है। वह समाज स्वस्थ रहे, यह दायित्व भी हमारा ही है- और यहां स्वस्थ रहने का मतलब मानसिक और नैतिक स्वास्थ्य से है। हमारा दायित्व बनता है कि हम समाज के इस स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें। इस संदर्भ में न कोई कोताही बरतें और न ही किसी को कोताही बरतने दें। यही एक अच्छे और सच्चे नागरिक का कर्तव्य है। आज देश, समाज में, धर्म के नाम पर नफरत की जो आंधी फैल रही है, फैलाई जा रही है, उसे हर कीमत पर रोकना होगा।

ब्रिटेन में बड़े बदलाव की आहट

अनुरंजन झा

अभी हाल ही में विश्वास मत हासिल कर अपनी कुर्सी बचाने में कामयाब रहे ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन पर एक बार फिर संकट गहरा गया और उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। कैबिनेट से इस्तीफा देने वाले उनके दो खास मंत्रियों ने पार्टीगेट मामले में अपनी पार्टी समेत तमाम विपक्षी दलों का दबाव झेल रहे बोरिस जॉनसन का साथ दिया था या यूं कहें कि एक मजबूत दीवार की तरह खड़े थे। उसका परिणाम हुआ कि अपनी ही पार्टी द्वारा लाये गये अविश्वास प्रस्ताव पर बोरिस जॉनसन को जीत हासिल हुई थी। इस्तीफा देने वाले मंत्रियों में भारतीय मूल के वित्त मंत्री ऋषि सुनक और पाकिस्तानी मूल के स्वास्थ्य मंत्री साजिद जाविद शामिल हैं। ब्रिटेन में पीएम के बाद सबसे अहम पद वित्त मंत्री का होता है, जिसे चांसलर या चांसलर ऑफ एक्सचेकर कहा जाता है उस पद पर पहुंचने वाले ऋषि सुनक भारतीय मूल के पहले व्यक्ति हैं।

इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति के दामाद ऋषि सुनक महज 35 साल की उम्र में 2015 में पहली बार कंजरवेटिव पार्टी के सांसद बने थे और तभी से आर्थिक नीतियों में उनकी हिस्सेदारी देखी गयी है। साल 2018 में वे थेरेसा मे की सरकार में शामिल हुए और 2019 में उन्हें ट्रेजरी का चीफ सेक्रेटरी बनाया गया। जॉनसन के चुनाव प्रचार में भी सुनक ने बड़ी भूमिका निभायी थी। कंजरवेटिव पार्टी ने अक्सर मीडिया इंटरव्यू के लिए उन्हें आगे किया। ब्रेक्जिट के कुछ हफ्तों बाद ही जब ब्रिटेन के वित्त मंत्री साजिद जावीद ने इस्तीफा दिया तो उसके बाद इस युवा सांसद को वित्त मंत्रालय जैसे अहम मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गयी थी। बाद में साजिद जाविद स्वास्थ्य मंत्री बने। जब ऋषि चांलसर यानी वित्त मंत्री बने थे, तब कोविड फैल रहा था, लेकिन महामारी का रूप नहीं ले पाया था। उसके तुरंत बाद जॉनसन सरकार ने राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन का फैसला किया और चांसलर की जिम्मेदारी इस दौर में देश को आर्थिक संकट से उबारने की आ गयी। ऋषि को रोजगार की सुरक्षा के लिए बड़े पैमाने पर आर्थिक मदद के पैकेज की घोषणा करनी पड़ी. साथ ही इस कोविड के दौर में मंहगाई को काबू में रखना एक बड़ी चुनौती साबित हुई। ऋषि सुनक के एक बयान ने उन्हें यहां के नौजवानों का हीरो बना दिया, जब उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को महज बिल का भुगतान करने वाली जनता के तौर पर बड़ा नहीं किया जा सकता, उनके लिए और बेहतर सोचना होगा और हमारी सरकार ऐसा ही करेगी।

सुनक ने अपने इस्तीफे में लिखा है कि जनता उम्मीद करती है कि सरकार सही ढंग से और गंभीरता से चलायी जायेगी। मेरा यह आखिरी मंत्री पद हो सकता है, लेकिन मेरा मानना है कि इन मानकों के लिए हमें लड़ाई लड़नी चाहिए इसलिए मैं इस्तीफा दे रहा हूं। ब्रिटेन की मंहगाई पिछले चालीस सालों में सबसे ऊंचे स्तर पर है। ऐसे में टैक्स की मार झेल रही जनता के लिए ऋषि सुनक ऐसा क्या करना चाहते थे, जिसकी अनुमति बोरिस जॉनसन की तरफ से नहीं मिल रही थी। यह साफ नहीं है लेकिन इतना तय है कि महंगाई से त्रस्त ब्रिटिश जनता की नजर में सुनक विलेन नहीं रहना चाहते थे, लिहाजा उन्होंने सरकार से अलग होना बेहतर समझा।

ऋषि के दादा भारत के पंजाब के रहने वाले थे और जब भारत ब्रिटिश साम्राज्य का हिस्सा था, तभी वे पूर्वी अफ्रीका चले गये थे वहीं उनके पिता का जन्म हुआ और उनकी मां उषा तंजानिया की रहने वाली थीं। साठ के दशक में सुनक के दादा अपने बच्चों के साथ ब्रिटेन चले आये। ऋषि के पिता ब्रिटेन में सरकारी डॉक्टर थे और मां फार्मा की दुकान चलाती थीं। उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र, दर्शनशास्त्र और राजनीतिशास्त्र की पढ़ाई की और फिर प्रबंधन की पढ़ाई के लिए अमेरिका चले गये। वहीं नारायण मूर्ति की बेटी अक्षता से उनकी मुलाकात हुई। यह जानना इसलिए जरूरी है, ताकि उनकी सोच और पृष्ठभूमि का अंदाजा लगाया जा सके. तभी तो उनके इस्तीफे की एक वजह यह भी मानी जा रही है कि प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यौन उत्पीड़न का आरोप झेल रहे सासंद क्रिस पिंचर को पार्टी का उप मुख्य व्हिप बनाया और सरकारी जिम्मेदारी दी, जिससे सुनक नाराज चल रहे थे। हालांकि बोरिस जॉनसन ने इसके लिए सार्वजनिक माफी भी मांग ली है। दूसरी तरफ कोविड के पहले और दूसरे दौर में ब्रिटेन में हुई तमाम मौतों के लिए बोरिस जॉनसन की नीतियों को सीधे जिम्मेदार ठहराया गया, जिससे बाहर निकलने के लिए और देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर करने के लिए उन्होंने पिछले साल जून में साजिद जाविद को ब्रिटेन का स्वास्थ्य मंत्री बनाया तब तक दुनियाभर में टीकाकरण की शुरुआत हो चुकी थी और ब्रिटेन में साजिद ने उसे बेहतर गति दी।

जब जाविद ने अपने इस्तीफे में यह कहा कि उनका बोरिस जॉनसन पर अब भरोसा नहीं रहा तो इतना तो साफ हो गया कि सरकार के अंदर कुछ अच्छा नहीं चल रहा है। सुनक और जाविद के साथ बिम अफोलामी ने कंजरवेटिव पार्टी के उपाध्यक्ष पद से भी इस्तीफा दे दिया। इनके अलावा एंड्रयू मॉरिसन ने वाणिज्य राजदूत के पद से त्यागपत्र दे दिया। मंत्रालय के सहयोगी जोनाथन गुलिस और साकिब भाटी ने भी अपना पद छोड़ दिया। इसके अलावा अन्य कई इस्तीफे भी हुए। ऋषि सुनक और साजिद जाविद के बाद बोरिस के इस्तीफे की वजह चाहे जो रही हो, लेकिन यह प्रकरण ब्रिटेन की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत तो ही है।

स्पीति घाटी

जहां गर्मी में 15 डिग्री रहता है तापमान

हिमाचल प्रदेश में स्थित स्पीति घाटी भारत में गर्मियों में घूमने के लिए प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह जगह समुद्र तल से 12,500 फीट ऊंचाई पर स्थित है और हर तरफ से हिमालय से घिरी हुई है। स्पीति घाटी एक ऐसी जगह है जहां पर गर्मियों के दौरान तामपान लगभग 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है एवं साल भर में केवल 250 दिन धूप मिलती है। इसी वजह से यह भारत के सबसे ठंडे स्थानों में से एक है।

भारत की सबसे कम खर्चीली जगहें

गर्मियों में जरूर करें यहां की सैर

इन दिनों में भारत के कई हिस्सों में सूरज आग उगल रहा है। गर्मी की तपन से कई लोग परेशान है। अगर आप इस गर्मी से राहत पाने के लिए कहीं घूमने जाने के लिए सोच रहे है तो हम आपको देश के पांच ऐसे पर्यटन स्थल के बारे में बता रहें है जहां की ठंड में पहुचंकर आप मजे से अपने परिवार के साथ घूम सकते हैं। इन पर्यटन स्थलों पर आपको गर्मी से निजात मिल जाएंगी एवं आपकी छुट्टियां भी मजे से एन्जॉय हो जाएगी। यह पर्यटन स्थल कम खर्चीले हैं जो आपके बजट पर कोई प्रभाव नहीं डालेंगे।

अग्रेजों के हाथों विकसित हुआ रानीखेत

उत्तराखंड में स्थित रानीखेत बहुत ठंडा और प्रमुख हिल स्टेशन है। शांत जलवायु और प्राकृतिक सुंदरता के कारण यह गर्मियों के मौसम का प्रमुख पर्यटक क्षेत्र है। रानीखेत का तापमान गर्मियों में 8 से 22 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। रानीखेत को अंग्रेजों द्वारा विकसित किया गया था। यह क्षेत्र जंगलों एवं हिमालय पर्वत की पहाड़ियों को जोड़ता है।

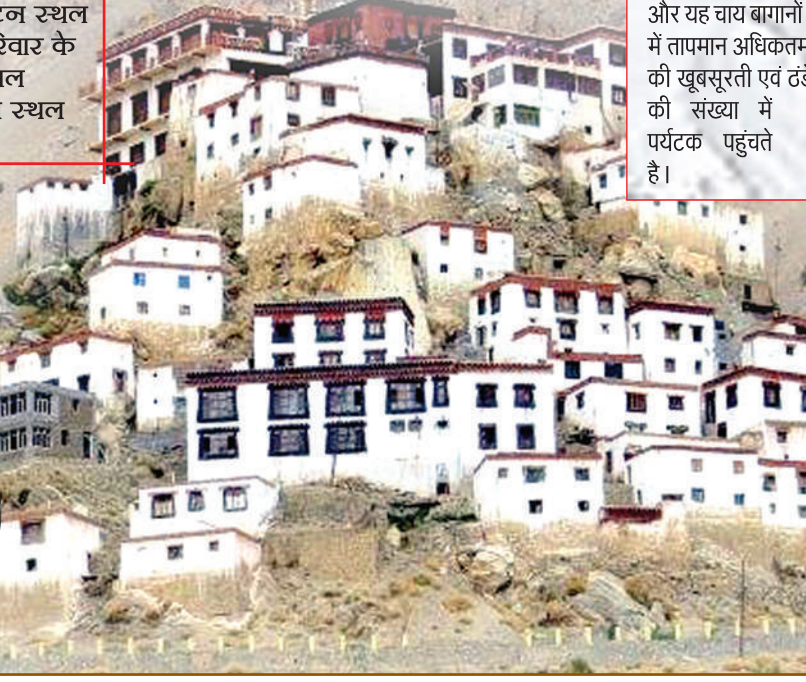

राजस्थान का माउंट आबू

गर्मियों में घूमने की खास जगह

गर्मियों के मौसम में घुमने के लिए प्रसिद्ध राजस्थान का माउंट आबू प्रमुख हिल स्टेशनों में से एक है। यहां की शांत जलवायु और पर्वत से नीचे के मैदानों का दृश्य पर्यटकों को अपनी और आकर्षित करता है। गर्मी के मौसम में माउंट आबू का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रहता है। इसलिए यहां गर्मी के मौसम में लाखों की संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। यहां के प्रसिद्ध स्थलों में निकी झील, हनीमून पॉइंट, सनसेट पॉइंट और दिलवाड़ा मंदिर है।

गर्म स्थलों की तुलना में अत्यधिक कम तापमान वाला तवांग

अरूणाचल प्रदेश में स्थित तवांग गर्मियों में घूमने का सबसे प्रमुख स्थान है। तवांग बेहद ही ठंडा एवं खूबसूरत पर्यटन स्थल है। यहां अनेक मठ है जिनमें सबसे खास तवांग मठ है। गर्मियों में तवांग का तापमान 5 से 21 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। यह क्षेत्र काफी ठंडा है इस वजह से यहां गर्मियों के मौसम में पर्यटकों का जमावड़ा रहता है।

25 डिग्री के आसपास रहता है दार्जिलिंग का तामपान

पश्चिम बंगाल राज्य का प्रमुख पर्यटन स्थल दार्जिलिंग गर्मियों में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगह है। यहां की सीमाएं बांग्लादेश, भूटान और नेपाल के साथ लगी हुई है। भारत का प्रसिद्ध हिल स्टेशन दार्जिलिंग भी ठंडा है और यह चाय बागानों के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यहां गर्मियों में तापमान अधिकतम 25 डिग्री सेल्सियस रहता है। यहां की खूबसूरती एवं ठंडे मौसम की वजह से हर वर्ष लाखों की संख्या में पर्यटक पहुंचते है।

हंसना मना है

आजकल इंसान बीमार होने पर उतना जल्दी दवाई नहीं ढूंढता जितना जल्दी मोबाइल की बैटरी खत्म होने पर चार्जर ढूंढता है।

कुछ डॉक्टर बहुत होशियार होते हैं। अगर बीमारी पकड़ में नहीं आती तो दवाई बदल-बदल कर देंगे लेकिन हार नहीं मानेंगे।

किसी के पास कोई ऐसा मेसेज है क्या जिसे 21 लोगों के पास भेजने से एक महीने चालान नहीं कटेगा।

पुरानी फिल्मों में लड़की के पिताजी इतने भोले होते थे कि हीरो उसी के घर में उसी के पियानो पर उसी की बेटी के लिए गाना गाता था लेकिन वह नहीं समझ पाते थे।

कल बहुत देर से दो लोग आपस में गाली-गलौच कर रहे थे फिर मैंने वहां जाकर उन्हें समझाया तब जाकर मारपीट शुरु हुई।

अर्ज किया है कि मेहनत करने वालों का कभी ईमान नहीं बिकता और साईकिल से चलने वालों का चालान नहीं कटता।

कहानी | दो बकरे

एक गांव में दो बकरे रहते थे। एक काले रंग का था एक भूरे रंग का था। दोनों ही बहुत घमंड़ी थे। एक दूसरे से बहुत घृणा करते थे। एक दिन वे झरने पर बने पुल से गुजर रहे थे। काला बकरा पुल के इस छोर से और भूरा बकरा उस छोर से आ रहा था। पुल के बीचों-बीच दोनों बकरों का आमना-सामना हुआ। दोनों अकड़कर खड़े हो गए। पुल बहुत ही संकरा था। एक बार में उस पुल पर से एक ही जानवर जा सकता था। काले बकरे ने भूरे बकरे से गुर्रा कर कहा, तू मेरे रास्ते से हट जा। भूरे बकरे ने भी इसी प्रकार गुर्रा कर जवाब दिया, अबे कालिए, वापस चला जा वरना मैं तुझे इस झरने में फेंक दूंगा। दोनों में से कोई भी पीछे हटने को तैयार ही नहीं हो रहा था और न ही कोई हल निकालने की सोच रहा था। बस दोनों आपस में झगड़ा कर रहे थे। वे दोनों थोड़ी देर तक एक-दूसरे को धमकाते रहे। उसके बाद दोनों एक दूसरे से भिड़ भी गए। फिर क्या था! भिड़ते-भिड़ते दोनों अपना-अपना संतुलन खो बैठे और लड़खड़ाकर झरने में जा गिरे। वे झरने की धारा के साथ बहने लगे। कुछ देर तो दोनों ने अपने-अपने बचने का प्रयास किया फिर थोड़ी देर में ही दोनों डूब कर मर गए। समय बीतता गया और इसी तरह दूसरी बार दो बकरियां इसी पुल के बीचोबीच आमने-सामने आ गईं। वे दोनों समझदार एंव शांत मिजाज वाली थीं। दोनों ने सोचा कि अगर कोई भी वापस जाएगा तो देर तो होगी ही साथ में हमें थकान भी लगेगी। वे दोनों बहुत दूर से आ रही थी इसलिए किसी का वापस जाना ठीक नहीं था तो उनमें से एक बकरी बोली बहन मैं बैठ जाती हूं और आप मेरे ऊपर से निकल जाना। दूसरी बकरी ने वैसा ही किया दूसरी बकरी उसके शरीर के ऊपर से आराम से निकल गई। उसके बाद वह खड़ी हो गई। दोनों ने धीरे-धीरे चल कर उस लम्बे पुल को पार कर लिया।

शिक्षा :- क्रोध दुख का मूल है, शांति-खुशी की खान है।

6 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। राजकीय बाधा संभव है। नए काम मिल सकते हैं। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृषभ
सभी तरफ से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। उत्साह व प्रसन्नता में वृद्धि होगी। काम में मन लगेगा। पुराने मित्र व रिश्तेदारों से मेल बढ़ेगा। संपर्क बनाएं। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
सामाजिक कार्य करने के अवसर प्राप्त होंगे। मान-सम्मान मिलेगा। थोड़े प्रयास से अधिक लाभ होगा। किसी बड़े कार्य के होने की संभावना है। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

कर्क
दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। वाणी में हल्के शब्दों का प्रयोग न करें। थकान व कमजोरी रह सकती है। मेहनत अधिक होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

सिंह
बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। संगीत इत्यादि में रुचि रहेगी। नए विचार मन में आएंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा।

कन्या
उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। आय के नए स्रोत मिलेंगे। अधिकार बढ़ सकते हैं।

तुला
राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। कुंआरों को वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। व्यय होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

वृश्चिक
न चाहकर भी विवाद हो सकता है। झंझटों में न पड़ें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें। आय में कमी हो सकती है। जमानत के कार्य टालें।

धनु
तंत्र-मंत्र में रुझान रहेगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। रुके कार्यों में गति आएगी। किसी तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। प्रभावशाली व्यक्तियों से मेलजोल बढ़ेगा।

मकर
नए काम मिलने की संभावना है। आय के स्रोत बढ़ेंगे। घर-बाहर सभी तरफ से सहयोग प्राप्त होंगे। रुके कार्य पूर्ण होंगे। भाग्य की अनुकूलता है। भरपूर प्रयास करें।

कुम्भ
डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। व्यावसायिक कार्य के लिए लंबी यात्रा की योजना बनेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश शुभ रहेगा। धनलाभ में वृद्धि के योग हैं।

मीन
क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। किसी अपने से कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नकारात्मकता रहेगी। यात्रा में जल्दबाजी न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

कंट्रोवर्सी के बाद नहीं मिल रहा रिया चक्रवर्ती को काम

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती जल्द बंगाली फिल्म प्रोड्यूसर राणा सरकार के साथ काम करती नजर आ सकती है। हाल ही में राणा ने एक इंटरव्यू में इस बारे में बात की और बताया कि रिया उनकी फिल्म के लिए बिलकुल फिट बैठती है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि रिया का करियर बिना किसी गलती के बर्बाद हो गया है। राणा ने कहा मैं एक फिल्म के लिए रिया के मैनेजर के संपर्क में हू, लेकिन उन्होंने अभी तक इसका फैसला नहीं किया है। हमारे पास एक स्क्रिप्ट तैयार है और रिया उसके लिए लीड एक्ट्रेस के रूप में फिट बैठती हैं। इस फिल्म की कहानी विश्वासघात से जुड़ी है। रिया अच्छी बांग्ला बोलती हैं और अगर वो इस फिल्म के लिए हां बोल देती हैं तो यह बहुत अच्छा होगा। राणा सरकार ने आगे कहा मुझे लगता है कि रिया के करियर को उनकी बिना किसी गलती के खतरे में डाला जा रहा है। वो पिछले कुछ साल बहुत परेशानी से गुजरी और उन्हें अभी मुंबई में भी रोल नहीं मिल रहे हैं। वो किसी की गर्लफ्रेंड होने और बंगाली होने के कारण ये सब भुगत रही हैं। मुझे वास्तव में लगता है कि वो बेहतर की हकदार हैं। जलेबी के बाद रिया सिर्फ मिस्ट्री थ्रिलर चेहरे में नजर आई थीं। 2021 में रिलीज हुई इस फिल्म में उनके अलावा अमिताभ बच्चन, इमरान हाशमी और सिद्धांत कपूर भी लीड रोल में थे। रिया ने अपना बॉलीवुड डेब्यू 2013 में आई फिल्म मेरे डैड की मारुति से किया था। इसके पहले रिया वीडियो जॉकी के तौर पर काम किया करती थीं। उन्होंने कई MTV शोज भी होस्ट किए हैं। रिया के बॉयफ्रेंड सुशांत सिंह राजपूत का 14 जून 2020 को मुंबई में निधन हो गया था।

बॉलीवुड में बड़ी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हैं उर्फी जावेद

करियर को लेकर बताए अपने प्लान्स

बिग बॉस ओटीटी का हिस्सा बनने के बाद से ही उर्फी जावेद अक्सर सुर्खियों में रहती हैं कभी वह अपने कपड़ों को लेकर सुर्खियों में रहती है तो कभी अपनी बेबाक अंदाज को लेकर। इसी के साथ उन्हें अपने ड्रेसिंग सेंस की वजह से काफी ट्रोल होना पड़ता है। हालांकि उर्फी ने हमेशा यही स्टेटमेंट दिया है कि उन्हें ट्रोल्स से बिलकुल भी डर नहीं लगता है, लेकिन कई बार यह साफ पता चला है कि उन्हें कुछ बातें बुरी लगी हैं। तभी तो हाल ही में उन्होंने अपने बयान में ट्रोल्स को करारा जवाब दिया है। कभी बोरे तो कभी प्लास्टिक से बनी ड्रेस पहने कैमरे के सामने अपनी टोन्ड बॉडी फ्लॉन्ट करने वाली उर्फी जावेद का अंदाज लोगों के गले से नहीं उतर रहा है। वहीं इन सब बातों से परेशान होकर उर्फी ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुलकर बातचीत की। उन्होंने कहा हर किसी को सजना-संवरना, मेकअप करना और अपना सर्वश्रेष्ठ दिखना पसंद होता है। मैं जो कुछ भी करती हू, अपने लिए करती हू क्योंकि हम सभी अच्छे दिखना और महसूस करना चाहते हैं। अगर लोग किसी पोशाक से भड़क जाते हैं, तो यह उनकी समस्या है।।। उन्हें मदद की ज़रूरत है%। उर्फी जावेद ने बताया कि वह जो

बिग बॉस | ओटीटी

भी आउटफिट्स कैरी करती हैं, उसे वह अपनी टीम के साथ बैठकर हर दिन डिसाइड करती हैं। उर्फी के मुताबिक, उन्हें सजना संवरना तो बचपन से पसंद था ही, लेकिन भीड़ से अलग खड़ी होना भी उनकी बचपन से आदत रही है। मां बाप भी कुछ नहीं कहते, एक एडल्ट होने के नाते वह अपने फैसले खुद ही करती हैं।

एक बाप के बदले की कहानी है खुदा हाफिज 2

फिल्म खुदा हाफिज के साथ कमाल करने के बाद एक्टर विद्युत जामवाल एक बार फिर वापस आ गए हैं। ह्यूमन ट्रैफिकिंग की कहानी को फिल्म खुदा हाफिज में दिखाया गया था, तो वहीं खुदा हाफिज 2 अग्नि परीक्षा समीर (विद्युत) और नरगिस (शिवालिका ओबेरॉय) की आगे की जिंदगी को दिखाया गया है। समीर और नरगिस अपनी लाइफ में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। नरगिस अपने साथ हुए हादसे से आज भी लड़ रही है और रोज अग्नि परीक्षा से गुजर रही है। वहीं समीर उसका पूरा साथ देने की कोशिश कर रहा है लेकिन दोनों का रिश्ता इतना बिखर चुका है कि उसे संभाल पाना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में उनकी जिंदगी में नन्ही

नंदिनी (रिद्धि शर्मा) की एंट्री लेती है। नंदिनी, पहले समीर और फिर नरगिस के दिल में जगह बनाती है। दोनों उसके साथ खुशहाल जीवन बिताना शुरू ही करते हैं कि एक किडनैपिंग में दोनों नंदिनी को खो देते हैं। नंदिनी की किडनैपिंग के पीछे कई बड़ी ताकतें हैं, जिनका खुलासा पुलिस नहीं कर रही हैं। ऐसे में समीर अपनी बेटी को न्याय दिलाने और उसका बदला लेने का जिम्मा उठाता है। समीर की राहों में कई लोग खड़े हैं और इन सभी का सामना करने के लिए वो तैयार है। इस पूरी लड़ाई में से वो एक ऐसा इंसान बनकर निकलने वाला है, जिसे वो खुद भी नहीं जानता। विद्युत जामवाल ने इस फिल्म में कमाल किया है उनकी परफॉर्मेंस बढ़िया है। एक्सप्रेशन से लेकर एक्शन तक विद्युत हर फ्रेम में छाए हैं। पत्नी नरगिस का साथ देना हो या बेटी के साथ खेलना विद्युत अपने किरदार समीर के साथ सबकुछ बहुत आसानी से करते हैं।

अजब-गजब | ये है बहुत ही चमत्कारी चीज, सौ मर्जों की है दवा

वो जादुई पौधा, जिसे उगाने के लिए नहीं होती बीज की जरूरत!

आमतौर पर आपने किसी भी पौधे को उगाने के लिए या तो उसके बीज बोए होंगे या फिर कटिंग से उसे लगाया होगा, लेकिन एक पौधा ऐसा भी है, जिसे लगाने के लिए आपको इन दोनों में से किसी भी चीज की जरूरत नहीं होती। आप इसकी एक पत्ती से ही हजारों पौधे उगा सकते हैं। दिलचस्प बात तो ये है कि इसके लिए कोई खास मेंटेनेंस भी नहीं चाहिए लेकिन ये है बहुत ही चमत्कारी चीज।

इस जादुई पौधे को पत्तों से आराम से उगाया जा सकता है। आप न भी चाहें तो अगर पत्ती आपके बगीचे तक पहुंच गई तो पौधे निकल ही आएंगे। यूं तो इस पौधे का वैज्ञानिक नाम Kalanchoe Pinnata Plant है, लेकिन इसे अपने देश में पत्थरचट्टा या अजूबा का पौधा कहा जाता है। जैसा इस पौधे का नाम अजूबा है, वैसे के अनोखे इसके गुण भी हैं। ये उगता भले ही आसानी से हो लेकिन कई मुश्किल मर्जों की अचूक दवा है। पत्थरचट्टा या Kalanchoe Pinnata Plant जिसमें पत्तों के किनारे से निकले छोटे-छोटे नए पौधे साफ तौर पर देखे जा सकते हैं। इन पौधों को पत्तियों से निकालकर अलग किया जा रहा है। वैसे पत्तों के किनारे मौजूद छोटे-छोटे स्प्राउट्स से दोबारा पौधे उग आते हैं। जिन्हें इसी तरह इकट्ठा करके इसका इस्तेमाल दवाइयां बनाने में किया जाता है। इस अद्भुत प्रक्रिया के वीडियो को 25 मिलियन यानि 2.5 करोड़ से ज्यादा लोगों ने देखा है। वीडियो को 2 लाख लोगों ने लाइक भी किया है। तमाम लोगों का कहना था कि उन्हें इस पौधे के इतने गुणों के बारे में जानकारी ही नहीं थी। कई रोगों का इलाज है गुणकारी पत्तियों में

इस पौधे की पत्तियों को किसी भी मौसम में खाया जा सकता है। इसका स्वाद खट्टा और नमकीन होता है। इसका मुख्य तौर पर इस्तेमाल पथरी के इलाज में किया जाता है। इसके अलावा मूत्र संबंधी बीमारियों, टैनिंग, फोड़े-फुंसी, सिरदर्द, हाई ब्लड प्रेशर, पीठ के दर्द और नाक-कान-कले की भी बीमारियों में भी ये पौधा फायदेमंद होता है। इसका काढ़ा, लेप या अर्क इस्तेमाल किया जाता है। अगर आपने इस पौधे को कहीं देखा हो तो फटाफट अपने गमले या बगीचे में जगह दे सकते हैं।

यूएफओ एक्सपर्ट का दावा

धरती पर ही छिपे हैं एलियंस

दुनियाभर में एलियंस को लेकर बहस तेज हो गई है। एलियंस को लेकर आए दिन कई अजीबोगरीब दावे किए जाते हैं जिनके बारे में जानकर वैज्ञानिक भी हैरान हो जाते हैं। दुनियाभर में कई बार लोगों ने एलियन और यूएफओ देखने का दावा किया है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि क्या ब्रह्मांड में एलियन का अस्तित्व है? सालों से वैज्ञानिक इस सवाल का जवाब तलाश रहे हैं, लेकिन अभी तक उन्हें कोई सफलता नहीं मिली है। अब इस बीच एक यूएफओ एक्सपर्ट ने चौंकाने वाला दावा किया है जिसके बारे में जानकर आप हैरत में पड़ जाएंगे। यूएफओ एक्सपर्ट का दावा है कि धरती पर महासागरों के नीचे एलियन रहते हैं। उन्होंने बताया है कि वह सुरक्षित रहने के लिए ऐसा करते हैं। एक्सपर्ट का दावा है कि हमेशा से एलियन यहीं पर मौजूद हैं। आइए जानते हैं कि यूएफओ ने क्या-क्या दावे किए हैं। 'UFO's: A Fundamental Truth' नाम की किताब लिखने वाली लेखिका Anna Whitty मानती हैं कि वास्तव में इंसान ही एलियंस हैं, हालांकि बहुत आधुनिक हैं। इससे पहले भी कई लोगों ने एलियंस को लेकर हैरान करने वाले दावे किए हैं, लेकिन किसी ने भी इसका सबूत नहीं दिया है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डॉ शर्ली राइट के बयान पर Anna Whitty ने यह दावा किया है। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन की पूर्व सहयोगी थीं डॉ शर्ली राइट। आइंस्टीन की पूर्व सहयोगी ने दावा किया है कि साल 1947 में रोसवेल क्रैश साइट पर मिले एलियंस का उन्होंने इंटरव्यू लिया था। एक नई डॉक्यूमेंट्री में रहस्यमयी घटनाओं के बारे में बताया गया है और इसमें इस इंटरव्यू का भी जिक्र है। उनका दावा है कि एलियंस ने उनसे सवाल किया कि इंसान ने समुद्र में कितनी गहराई तक खोज कर ली है। एना के अलावा एक्सपर्ट फिलिप मेंटल और डॉ डेविड हॉल भी इस डॉक्यूमेंट्री का हिस्सा थे।

चित्रकूट : पिकअप ने आठ बारातियों को रौंदा, छह की मौत

» दो गंभीर घायल, गुस्साए ग्रामीणों ने लगाया जाम
» मुख्यमंत्री ने जताया दुख, मुआवजे का किया ऐलान
» पिकअप चालक गिरफ्तार घायलों का हो रहा इलाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चित्रकूट। जनपद के भरतकूप क्षेत्र में आज सुबह रौली कल्याणपुर में झांसी-मीरजापुर राष्ट्रीय राजमार्ग-35 के किनारे बैठे आठ बारातियों को बेकाबू पिकअप ने रौंद दिया। हादसे में छह लोगों की मौत हो गयी जबकि दो गंभीर घायल हो गए। आक्रोशित ग्रामीणों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। डीएम व पुलिस अधीक्षक ने मुआवजे का आश्वासन देकर दो घंटे बाद जाम खुलवाया। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर दुख जताया है। साथ ही हर मृतक के स्वजनों को दो-दो लाख एवं घायलों को 50-50 हजार रुपये दिए जाने के निर्देश दिए हैं।

रौली कल्याणपुर निवासी राजबहादुर रैदास के बहन की बरात शुक्रवार की रात बांदा जिला के जारी गांव से आई थी। सभी वैवाहिक कार्यक्रम रात में संपन्न हो चुके थे। आज सुबह तमाम बाराती व घराती झांसी-मीरजापुर हाईवे किनारे एक गुमटी के पास बैठे थे। उसमें कुछ चाय पी रहे थे तो कुछ दातून कर रहे थे। सुबह लगभग साढ़े छह बजे बांदा की ओर से टमाटर लादकर पिकअप आई और आठ बारातियों को रौंदते हुए हाईवे किनारे बांस की पेड़ से टकरा गई। इस भीषण हादसे में पांच लोगों की मौके पर मौत हो गई। हादसे में घायल भगवान दास, राम नारायण व भानू को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जिसमें भानू की मौत इलाज के दौरान हो गई जबकि मौके पर मरने वालों की पहचान लड़की के बहनोई जारी निवासी नरेश पुत्र शिवरतन, खुरहंड़ा निवासी अरविंद पुत्र नथुवा, बैंड पार्टी के सदस्य जारी निवासी रामरूप पुत्र प्यारेलाल, छक्का पुत्र मातादीन और लड़की के चाचा के दामाद कौहारी निवासी सोमदत्त पुत्र रौली प्रताप रुप में हुई है। जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने बताया कि घटना को लेकर मुख्यमंत्री ने गहरा दुख व्यक्त किया है। साथ ही प्रत्येक मृतक परिवार को दो-दो लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। दूसरी ओर एसपी अतुल शर्मा ने बताया कि चालक रोहित यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि झपकी आने के कारण हादसा हुआ है। मामले की पड़ताल जारी है।

ट्रक ने कार को मारी टक्कर, चार घायल

बरेली। बरेली सीतापुर हाईवे पर आज सुबह दिल्ली से कार से अनस और उनकी पत्नी सलमा सहित चार लोग तिहलर जा रहे थे। कार जैसे ही बरेली के रमपुर पुलिया के पास पहुंची तभी पीछे से तेजी से आ रहे एक ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। इससे कार डिवाइडर को पार कर दूसरी तरफ पहुंच गई। हाईवे पर एक्सीडेंट का ये दृश्य देख लोग कुछ देर के लिए स्तब्ध रह गए। बाद में सभी घायलों को कार से बाहर निकाला गया और मौके पर पहुंची पुलिस ने इन्हें अस्पताल पहुंचाया।

धागा फैक्ट्री में भीषण आग से हड़कंप

» किसी के हताहत होने की खबर नहीं, 12 दमकल गाड़ियों ने आग पर पाया काबू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। परतापुर के उद्योगपुरम स्थित साठ फुटा रोड पर शुक्रवार की देररात धागा फैक्ट्री में भयंकर आग लग गई। आग की लपटें फैक्ट्री के पीछे मकानों तक पहुंच गई। दो मकानों की दीवार गिर गई। सभी पांच मकानों को खाली कराया गया। आग बुझाने के लिए दमकल की 12 गाड़ी लगाई गई। आज सुबह जाकर आग पर काबू पाया जा सका।

परतापुर के उद्योगपुरम पर राकेश जैन की पार्श्व टेक्सटाइल प्रा लि. के नाम से धागा फैक्ट्री है। फैक्ट्री में रात की शिफ्ट में करीब 20 कर्मचारी काम कर रहे थे। अचानक शार्ट सर्किट से आग लग गई। दमकल गाड़ियों के पहुंचने तक आग ने भयंकर रूप ले लिया था। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

एटीएस परिसर में अफसरों ने रोपे पौधे दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

» एडीजी एटीएस नवीन अरोरा के नेतृत्व में चला वृक्षारोपण अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस और पर्यावरण सप्ताह के तहत एटीएस मुख्यालय परिसर में एडीजी एटीएस नवीन अरोरा के नेतृत्व में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। एडीजी एटीएस नवीन अरोरा ने खुद वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वृक्षारोपण अभियान पांच जून और फिर एक से सात जुलाई तक चलाया गया। इस मौके पर विभिन्न प्रजातियों के 250 से अधिक वृक्षों का रोपण किया गया।

एडीजी एटीएस नवीन अरोरा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण न केवल राष्ट्रीय बल्कि एक वैश्विक महत्व का विषय है जिससे हमारी आगामी पीढ़ियां प्रभावित होंगी। ऐसे में हम सभी को एक अच्छा और स्वस्थ्य पर्यावरण बनाए रखना है। प्रदेश सरकार की प्राथमिकता में शामिल वृक्षारोपण कार्यक्रम को यूपी एटीएस ने भव्यता से मनाया और 250 से अधिक विभिन्न प्रजातियों के वृक्ष एटीएस परिसर में लगाए। इसमें माइकेलिया चम्पा, शीशम, गुलमोहर, बॉटल ब्रश, अमरूद, आंवला और अमलताश के पौधे शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि यूपी एटीएस द्वारा वृक्षारोपण का व्यापक अभियान दो चरणों में चलाया गया जिसमें पहले चरण में विश्व पर्यावरण दिवस यानी पांच जून के अवसर पर वृक्षारोपण किया गया और दूसरे चरण में पर्यावरण सप्ताह के तहत एक से सात जुलाई तक बड़ी संख्या में परेड ग्राउंड, ट्रेनिंग एरिया और पार्क के पास वृक्षों का रोपण किया गया। इसके अतिरिक्त एटीए की सभी 18 फील्ड यूनिटस एवं SPOT टीमों द्वारा भी कार्यालय परिसर में बीस-बीस वृक्षों का रोपण किया गया। बृजेश सिंह SP SPOT समेत कई अधिकारियों और कर्मचारियों ने वृक्षारोपण किया।

मौत का जिम्मेदार खुद हूं, लिखकर इंजीनियर ने दी जान

» फंदे से लटका मिला शव, सुसाइड नोट बरामद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। कल्याणपुर के राणा प्रताप नगर में रेलवे विभाग के जेई भानु प्रताप (28) ने सुसाइड नोट में खुद को मौत का जिम्मेदार बताते हुए फंदा लगाकर जान दे दी। उसका शव कमरे में फंदे से लटका मिला। पुलिस ने सुसाइड नोट बरामद किया है।

मूलरूप से हमीरपुर के मौदहा क्षिरका निवासी रामौतार कुशवाहा के छोटे बेटे भानु प्रताप रेलवे विभाग के उपक्रम डीएफसीसीआईएल में जूनियर एग्जीक्यूटिव थे। राणा प्रताप नगर में किराये पर रहकर सरसौल में बिछाए जा रहे रेलवे ट्रैक का कार्य देख रहे थे। भानु के रिश्तेदार नितिन ने बताया कि शुक्रवार सुबह से भानु के बड़े भाई राज बहादुर उसे फोन कर रहे थे लेकिन कोई जवाब नहीं मिल रहा था। वह खुद चेक करने पहुंचे तो भानु के खुदकुशी करने का पता चला। मृतक ने सुसाइड नोट में अपनी मर्जी से खुदकुशी करने की बात लिखी है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रीति श्रीवास्तव पत्नी विवेक आनंद का नाम अलका श्रीवास्तव जाना पहचाना जाए। कुछ कागज दस्तावेजों में प्रीति श्रीवास्तव नाम है जोकि अब अलका श्रीवास्तव के नाम से जाना पहचाना जाए।

नूपुर शर्मा पर खामोशी लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में उत्तर प्रदेश के सीतापुर में दर्ज प्राथमिकी के सिलसिले में अल्ट न्यूज के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर को पांच दिन की अंतरिम जमानत दे दी है। ऐसे में सवाल उठता है कि जमानत के बाद भी जुबैर जेल में पर नूपुर अभी तक बाहर? ऐसे में क्या संदेश जा रहा है दुनियाभर में। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अजय शुक्ला, डॉ. उत्कर्ष सिन्हा, सैयद कासिम, समीरात्मज मिश्र, प्रो. रविकांत और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

समीरात्मज मिश्र ने कहा जो हो रहा उसे दुनिया देख रही है। नुपुर शर्मा पर चर्चा हुई, जुबैर पर भी हुई मगर कार्रवाई जुबैर पर नुपुर शर्मा पर नहीं। हालांकि उन्हें प्रवक्ता पद से हटा दिया गया। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बावजूद नुपुर शर्मा के समर्थन में पूर्व न्यायधीश, नौकरशाह व राजनेताओं ने एक लेटर बम चलाया।

डॉ. उत्कर्ष सिन्हा ने कहा नुपुर शर्मा कहां है किसी को पता नहीं। पुलिस क्या कर रही, ये सब जानते हैं। अब पिछले आठ सालों में ऐसा ईको सिस्टम डेवलप हुआ है कि एक विरोध करता है और एक नहीं लेकिन कल्पनाएं, ट्रोलर्स और ईको सिस्टम ये तीनों चीजों को समझना बहुत जरूरी है। आज के ईको सिस्टम में आप किसी से सवाल ही नहीं पूछ सकते। प्रो. रविकांत ने कहा ये जो मसला है, लोकतंत्र पर नजर डाले तो अभिव्यक्ति की आजादी मिलती थी। विपक्ष को उसका हक मिलता था। अब वह ध्वस्त हो चुकी हैं। अब एक पार्टी के पक्ष में एक विचारधारा के पक्ष में प्रचार हो रहा। आरोपी दोनों है नुपुर-जुबैर, पर कार्रवाई एक पर ही क्यूं। कानून एक समान क्यूं नहीं काम कर रहा। सैयद कासिम ने कहा कानून सबके लिए बराबर है मगर कहीं न कहीं देखने को मिल जाता है कि कानून किस पर काम कर रहा, किस पर नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की, पुलिस को फटकार भी लगाई पर हुआ अब तक क्या। नुपुर शर्मा को सुरक्षा दे दी गई मगर पुलिस को नहीं पता वे कहां है ये लोकतंत्र के लिए अच्छा मजाक है।

अजय शुक्ला ने शेर के जरिए बात शुरू कि हुजुर आप कोई फैसला करें तो सही...तो फैसले लगे हुए हैं। दरबार सजे हुए हैं। फैसले हो क्या रहे, वो हमें पता था। फैसला तो हो चुका। क्या है, क्या आना है सबको पता है क्योंकि इस सरकार का हर वो शख्स दुश्मन है जो सच बोलता है हिंदू हो या मुसलमान या फिर कोई और। ये चीजें अभी रुकने वाली नहीं हैं।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

स्वास्थ्य के बाद अब पशुपालन विभाग में तबादलों में 'खेल'

» समूह क और ख में आ रही धांधली की शिकायतें

» निदेशक डॉ. इन्द्रमणि चौधरी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

चेतन गुप्ता

लखनऊ। स्वास्थ्य विभाग में तबादलों को लेकर मची हाय-तौबा अभी शांत भी नहीं हुई कि पशुपालन विभाग में मनमाने तबादलों को लेकर एक बार फिर शासन में बैठे आला अफसर व विभागीय अधिकारी सवालों के घेरे में आ गए है। पशुपालन विभाग में समूह क और ख के स्थानांतरण में स्थानांतरण नीति का पालन नहीं किया गया। ऑनलाइन की जगह ऑफलाइन प्रक्रिया से स्थानान्तरण किए गए, जिसमें पशु चिकित्सा अधिकारियों को आवेदन करने का तक का अवसर नहीं मिला। निदेशक पशुपालन डॉक्टर इंद्रमणि पर आरोप है कि चेहरा देखकर व्यक्तिगत रूचि के अनुसार स्थानांतरण किए गए हैं।

उत्तर प्रदेश पशु चिकित्सा संघ के अध्यक्ष डॉक्टर राकेश कुमार शुक्ला ने निदेशक पर गंभीर आरोप लगाते हुए इस पूरे मामले की शिकायत विभागीय मंत्री व शासन स्तर पर करने की बात कही है। उन्होंने बताया कि तबादला नीति के तहत 30 जून तक ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे। अचानक 29 जून को ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया को निरस्त करते हुए ऑफलाइन तरीके से तबादलों पर प्रक्रिया शुरू कर दी गई और कहा गया कि विभागीय मंत्री के अनुमोदन के बाद ऐसा किया गया है। जबकि ना तो पशु चिकित्सा अधिकारियों से प्रत्यावेदन मांगे गए और ना ही उन तक इसकी सूचना पहुंची। पारदर्शी व्यवस्था अपनाए बिना मनमाने ढंग से सैकड़ों की संख्या में पशु चिकित्सा अधिकारियों को इधर से उधर कर दिया गया। निदेशक पर आरोप है कि उन्होंने 2 और 3 जुलाई को चोरी-छिपे बिना हस्ताक्षर वाली पहली सूची जारी की, उसमें से तमाम पशुचिकित्साधिकारियों से लाखों रुपए वसूल कर स्थानांतरण आदेश को रद्द कर दिया गया। वहीं आपसी लेनदेन के बाद कई आदेश निरस्त तक किए गए। सवाल उठने पर तर्क दिया गया कि जिन लोगों को ट्रांसफर से दिक्कत हुई थी उनमें से पात्र लोगों का ही ट्रांसफर निरस्त किया गया। ट्रांसफर में धांधली की बात करें तो चार सालों से रायबरेली में तैनात पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजनारायण को अमेठी भेज दिया गया जबकि उन्होंने स्थानान्तरण के लिए आवेदन ही नहीं किया। उनकी पत्नी प्रेमलता लखनऊ में पीजीआई में तैनात है। इसी जगह उसी जिले में डॉ पंकज हैं जो खीरी पशु चिकित्सा केंद्र में पिछले 11 सालों से तैनात है, उनको छुआ तक नहीं गया। डॉक्टर श्रद्धा सचान है जो लखनऊ में ही निदेशालय कैंपस स्थित जैविक औषधि संस्थान में करीब 15 सालों से ज्यादा समय से तैनात हैं, इनका स्थानान्तरण लखनऊ में ही रहमानखेड़ा में कृत्रिम गर्भाधान फार्म में कर दिया गया। तीसरा केस मेरठ के डॉक्टर राजवीर सिंह का है जो संयुक्त निदेशक के पद पर तैनात है उनके रिटायरमेंट के तीन महीने महज बचे हैं, उनको मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी के तौर पर रामपुर भेज दिया गया। लखनऊ में ही निदेशालय में बायोलॉजिकल प्रोडक्ट सेक्शन है जहां बड़ी संख्या में डॉक्टरों समेत अन्य स्टॉफ की तैनाती है जबकि वहां पिछले 3 सालों से ताला बंद है और लाखों रुपए हर माह वेतन उठाया जा रहा है, उनका कहीं भी समयोजन नहीं किया गया। ये किस्से महज बानगी भर है, हकीकत में बड़ी संख्या में पशु चिकित्सा अधिकारी अपने तबादलों को लेकर हैरान और परेशान हैं।

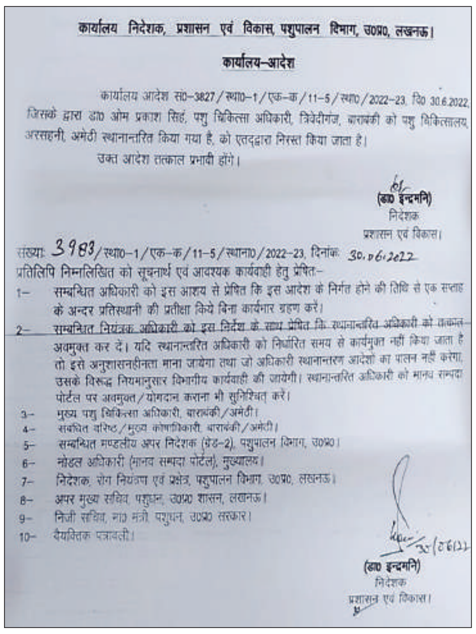
कार्यालय निदेशक, प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।

कार्यालय-आदेश

कार्यालय आदेश सं0-3827/स्था0-1/एक-क/11-5/स्था0/2022-23, दि0 30.6.2022, जिसके द्वारा डॉ0 ओम प्रकाश सिंह, पशु चिकित्सा अधिकारी, त्रिवेदीगंज, बाराबंकी को पशु चिकित्सालय, अरसहनी, अमेठी स्थानान्तरित किया गया है, को एतद्द्वारा निरस्त किया जाता है।

उक्त आदेश तत्काल प्रभावी होंगे।

(डा0 इन्द्रमनि)
निदेशक
प्रशासन एवं विकास।

संख्या: 3983/स्था0-1/एक-क/11-5/स्थाना0/2022-23, दिनांक 30.06.2022
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1- सम्बन्धित अधिकारी को इस आशय से प्रेषित कि इस आदेश के निर्गत होने की तिथि से एक सप्ताह के अन्दर प्रतिस्थानी की प्रतीक्षा किये बिना कार्यभार ग्रहण करें।
2- सम्बन्धित नियंत्रक अधिकारी को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि स्थानान्तरित अधिकारी को तत्काल अवमुक्त कर दें। यदि स्थानान्तरित अधिकारी को निर्धारित समय से कार्यमुक्त नहीं किया जाता है तो इसे अनुशासनहीनता माना जायेगा तथा जो अधिकारी स्थानान्तरण आदेशों का पालन नहीं करेगा, उसके विरूद्ध नियमानुसार विभागीय कार्यवाही की जायेगी। स्थानान्तरित अधिकारी को मानव सम्पदा पोर्टल पर अवमुक्त/योगदान कराना भी सुनिश्चित करें।
3- मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, बाराबंकी/अमेठी।
4- सम्बन्धित वरिष्ठ/मुख्य कोषाधिकारी, बाराबंकी/अमेठी।
5- सम्बन्धित मण्डलीय अपर निदेशक (ग्रेड-2), पशुपालन विभाग, उ0प्र0।
6- नोडल अधिकारी (मानव सम्पदा पोर्टल), मुख्यालय।
7- निदेशक, रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र, पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
8- अपर मुख्य सचिव, पशुधन, उ0प्र0 शासन, लखनऊ।
9- निजी सचिव, मा0 मंत्री, पशुधन, उ0प्र0 सरकार।
10- वैयक्तिक पत्रावली।

(डा0 इन्द्रमनि)
निदेशक
प्रशासन एवं विकास।

तबादलों पर गरमाई राजनीति

तबादलों को लेकर राजनीति भी गर्माने लगी है। एक ओर विपक्षी पार्टियों ने जहां भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है वहीं सत्ता पक्ष के कुछ नेताओं ने भी अफसरों पर गंभीर आरोप लगाए। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक कुमार श्रीवास्तव ने तबादलों को लेकर जमकर भड़ास निकाली। दो टूक कहा कि योगी सरकार की मंशा पर अफसर पानी फेरने का काम कर रहे है। स्थानांतरण नीति का दुरुपयोग हुआ है जिसकी शिकायत विभागीय मंत्री धर्मपाल सिंह से मिलकर की है। इस पूरे मामले को मुख्यमंत्री तक ले जाया जाएगा।

विभाग की गोपनीयता भंग ना हो इसलिए अस्पतालों को ट्रांसफर संबंधी सूचना भेज दी गई। हालांकि पॉलिटिकल एप्रोच के चलते तमाम लोगों के ट्रांसफर किए गए और निरस्त भी किए गए। सात साल से नीचे वाले वहीं पदस्थ हैं, उन्हें नहीं छेड़ा गया।

डॉ. इंद्रमणि चौधरी, निदेशक पशु पालन विभाग

अखिलेश ने गठित किया 18 सदस्यीय दल सपा के सदस्यता अभियान को देगा धार

» पार्टी के अन्य गतिविधियों और कार्यों की भी करेगा समीक्षा

» भाजपा और बसपा छोड़कर आए नेताओं को भी मिली जगह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में सपा की प्रदेश, जिला कार्यकारिणी और फ्रंटल संगठन भंग करने के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 18 सदस्यीय दल का गठन किया है। यह दल न केवल सपा के सदस्यता अभियान को धार देगा बल्कि पार्टी की अन्य गतिविधियों और कार्यों की समीक्षा करेगा। इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ भाजपा व बसपा छोड़कर आए नेताओं को भी शामिल किया गया।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के सदस्यता अभियान को गति देने तथा पार्टी के अन्य कार्य की समीक्षा करने के लिए 18 सदस्यीय दल का गठन किया है। समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में 2024 के लोक सभा चुनाव को लेकर बेहद गंभीर है। समाजवादी पार्टी ने जमीन स्तर पर संगठन को मजबूत करने के प्रयास में बड़े नेताओं को अभियान में लगाया है। 18 सदस्यीय दल में पार्टी के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, विधान परिषद सदस्य स्वामी प्रसाद मौर्य, विधायक इंद्रजीत सरोज, विधायक रामअचल राजभर तथा विधायक महबूब अली को शामिल किया गया है। इनके साथ पूर्व मंत्री नरेन्द्र वर्मा, दयाराम पाल, किरनपाल कश्यप, अरविंद सिंह गोप, रामआसरे विश्वकर्मा और पूर्व विधान परिषद सदस्य अरविंद कुमार सिंह, पूर्व विधान परिषद सदस्य-नेता प्रतिपक्ष संजय लाठर, और शशांक यादव, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी बाबा साहेब अम्बेडकर वाहिनी मिठाई लाल, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ प्रोफेसर बी पांडेय, पूर्व जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी गाजीपुर राजेश कुशवाहा के साथ समाजवादी पार्टी कार्यालय उत्तर प्रदेश के केके श्रीवास्तव तथा डा. हरिश्चंद को पार्टी के व्यापक विस्तार की बड़ी जिम्मेदारी प्रदान की गई है।

काशी और मथुरा को लेकर विहिप का दावा, भगवान कृष्ण के मूल स्थान पर करेंगे पूजा

» हिंदुओं को कोई डरा नहीं सकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उदयपुर में मुस्लिम युवकों द्वारा कन्हैया लाल की नृशंस हत्या के रोष में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) समेत सामाजिक और धार्मिक संगठनों की ओर से आज दिल्ली में संकल्प मार्च निकाला जा रहा है। यह मार्च मंडी हाउस से शुरू होकर जंतर-मंतर पर खत्म होगा। विहिप के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि हिंदुओं पर हो रहे हमले किसी तरह से ठीक नहीं है। हिंदुओं को न कोई विभाजित कर सकता है और न ही डरा सकता है। नूपुर शर्मा का समर्थन करने वाले लोगों पर हमला हो रहा है। उदयपुर में कन्हैयालाल की हत्या राज्य सरकार द्वारा सुरक्षा न देने से हुई। यह देश संविधान से चलेगा। यहां जिहाद के लिए कोई जगह नहीं है। 10-15 वर्षों के अंदर काशी और मथुरा में मूल स्थान में पूजा करेंगे। अगर किसी भी हिंदू को धमकियां मिल रही है तो उनकी मदद के लिए विहिप ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। हमारे कार्यकर्ता उनकी हर संभव सुरक्षा के लिए तैयार हैं। भाजपा नेता कपिल मिश्रा ने कहा कि देश में कानून बिगाड़ने वाले के लिए कोई जगह नहीं है। कानून बचाने के लिए हिंदू समाज आज बाहर आया है। कानून बचाने के लिए हम लोग सड़कों पर हैं।

बकरीद पर सरकार की गाइडलाइन

कुर्बानी की फोटो-वीडियो वायरल हुए तो जाएंगे जेल

सोशल मीडिया पर निगरानी के लिए साइबर टीम अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार ने बकरीद पर सोशल मीडिया पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए हैं। भड़काऊ भाषण से लेकर कुर्बानी की फोटो तक पोस्ट करने वालों को जेल भेजा जाएगा। पुलिस प्रशासन को हर वायरल मैसेज और फोटो की मॉनिटरिंग करने को कहा गया है। ऐसी पोस्ट पर खास नजर रहेगी, जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंच सकती हो।

सीएम योगी ने वीसी से सभी अधिकारियों को ये निर्देश दिए हैं। शासन की ओर से बकरीद, कांवड़ यात्रा और सावन को लेकर गाइडलाइन जारी की गई है। इसमें कहा गया है कि सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली धर्म से जुड़ी हर फोटो और कमेंट पर नजर रखें। समय रहते उनका खंडन किया जाए। साथ ही धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाली पोस्ट पर एक्शन लिया जाए। कुर्बानी से जुड़ी फोटो पर एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाए। गाइडलाइन में यूपी के सभी कमिश्नर से लेकर एसएसपी से कहा गया है कि खुले में कुर्बानी न हो। सड़क और नाली में खून नहीं दिखना चाहिए। कुर्बानी के बाद अपशिष्ट को जल्द से जल्द बंद वाहनों से ले जाकर उसको डंप करें। लखनऊ के कमिश्नर रोशन जैकब ने इसके लिए नगर निगम और पुलिस अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। यूपी में त्योहार के दौरान शस्त्रों का प्रदर्शन भी नहीं होगा। शरारत से भरे बयान देने वालों से जीरो टॉलरेंस की नीति से निपटने के लिए पुलिस लगातार गश्त करेगी। किसी संवेदनशील सूचना पर डीएम और एसपी खुद मौके पर जाएंगे।

ड्रोन से होगी निगरानी

बकरीद पर सभी जिलों में संवेदनशील स्थानों पर ड्रोन से नजर रखी जाएगी। किसी भी दशा में कोई नई धार्मिक परंपरा शुरू नहीं की जाएगी। थाना, सर्किल, जिला, रेंज, जोन, मंडल स्तर पर तैनात वरिष्ठ अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में गश्त करेंगे। बकरीद पर कुर्बानी तय स्थानों पर होगी। प्रतिबंधित पशु की कुर्बानी करने पर कड़ी कार्रवाई होगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- **SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।